भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3081

उत्तर देने की तारीख: 15.03.2021

नार्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी

†3081. श्री विनसेंट एच.पाला:

कुमारी अगाथा के. संगमा

क्या **शिक्षा मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान नार्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी शिलॉन्ग (एनईएचयू) के लिए कितनी निधि स्वीकृत और जारी की गई है;

(ख) वर्ष 2021-2022 और विगत पांच वर्षों के दौरान एनईएचयू के लिए कितनी निधि आवंटित की गई है;

(ग) दो वर्षों से अधिक समय से रिक्त पड़े शिक्षण कर्मचारियों के पदों की संख्या कितनी है और इस विलम्ब के क्या कारण हैं;

(घ) दो वर्षों से अधिक समय से रिक्त पड़े गैर-शिक्षण पदों की संख्या कितनी है और इस विलम्ब के क्या कारण हैं; और

(ङ) क्या इनमें कुलपति का पद भी खाली पड़ा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या
हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्री

(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क) और (ख): विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा प्रदान की गई सूचना के अनुसार पिछले पांच वर्षों के दौरान पूर्वोत्तर पवर्तीय विश्वविद्यालय, शिलॉन्ग (एनईएचयू) को आवंटित और जारी निधि का ब्यौरा निम्नानुसार है:

(रूपये लाख में)

वर्ष	आबंटित निधि	जारी निधि
2015-2016	15461.15	15461.15
2016-2017	19781.83	19781.83

2017-2018	25446.30	25446.30
2018-2019	20287.41	20287.41
2019-2020	25513.33	25513.33

वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए निधियों के आबंटन को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

(ग) और (घ): केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में रिक्तियां होना और उन्हें भरा जाना हमेशा चलने वाली और सतत् प्रक्रिया है। जहां तक शिक्षण पदों का संबंध है, विश्वविद्यालय ने सूचित किया है कि 467 शिक्षण पदों की स्वीकृत संख्या में से 157 शिक्षण पद रिक्त हैं और इन सभी पदों का विज्ञापन दिया गया है। यूजीसी द्वारा निर्धारित शिक्षण और गैर-शिक्षण के 1:1:1 अनुपात के अनुसरण में केवल एक गैर शिक्षण पद दो वर्ष से अधिक समय से लंबित है।

(ङ): जी हां, कुलाधिपति, एनईएचयू का एक पद रिक्त है और अधिनियम में निर्धारित प्रावधानों और एनईएचयू अधिनियम, 1973 की सांविधियों के अनुसार, विश्वविद्यालय ने कुलाधिपति की नियुक्ति के लिए विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद द्वारा अनुमोदित नामों की सूची प्रस्तुत की है।

*****